



भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1
PART I—Section 1

वाधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 111]

नई दिल्ली, बुधवार, जून 18, 1980/ज्येष्ठ 28, 1902

No. 111]

NEW DELHI, WEDNESDAY, JUNE 18, 1980/JYAISTHA 28, 1902

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate
compilation

वाणिज्य एवं नागरिक आपूर्ति मंत्रालय

(वाणिज्य विभाग)

नई दिल्ली, 18 जून, 1980

(निर्यात व्यापार नियंत्रण)

साप्ताहिक सूचना सं० 29-ई टी सी (पी एन)/80

विषय:--1980-81 वर्ष के लिए चावल की निर्यात नीति

एक सं० 40(18)/80-ई. 2.--उक्त विषय पर निर्यात (नियंत्रण)
संशोधन आदेश सं० ई (सी) आ, 1977/ए एम (165) दिनांक
18-6-1980 को और ध्यान दिलाया जाता है।

2. यह निश्चय किया गया है कि खुले सामान्य लाइसेंस-3 के
अन्तर्गत न्यूनतम 5,500 रुपये प्रति मी० टन निर्यात निमत पर बासमती
चावल के निर्यात की स्वीकृति दी जाएगी।

3. (क) स्वयं निम्नलिखित अधिकारों द्वारा उच्चायक सेवा के नीचे
उत्तम और ज्ञेय उत्तम (गैर-बासमती) चावल के निर्यात की स्वीकृति
न्यूनतम 2,750 रुपये प्रति मी० टन के अधीन दी जाएगी:--

- (1) भारतीय खाद्य निगम
- (2) नेकड
- (3) राज्य व्यापार निगम
- (4) राज्य व्यापार निगम, आन्ध्र प्रदेश
- (5) हंजराणा सहकारिता विपणन मंडल
- (6) पंजाब नागरिक आपूर्ति निगम
- (7) तमिलनाडु नागरिक आपूर्ति निगम

(ख) उपर्युक्त अधिकारों द्वारा चावल के निर्यात की स्वीकृति इस
शर्त के अधीन दी जाएगी कि निर्यात किया जाने वाला चावल उनके
राज्य में ही उपलब्ध होना चाहिए। राज्य व्यापार निगम को भी
निर्यात के लिए उपर्युक्त उल्लिखित भारतीय खाद्य निगम या किसी भी
एक सार्वजनिक अधिकारण से चावल प्राप्त करने होंगे। निर्यात अपरि-
वर्तनीय साखपत्र के मुद्दे स्वयं निर्यात अधिकारणों के नाम से दिए जाएंगे।

4. घंटिया चावल के निर्यात की स्वीकृति किसी भी न्यूनतम निर्यात
न्यून प्रतिघन्ध के बिना केवल भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से ही
दी जाएगी।

5. इस सार्वजनिक सूचना की तारीख से पूर्व किए गए परिवर्तन
से पूर्व सौदों के लिए इस शर्त के अधीन स्वीकृति दी जाएगी कि वे
इस सार्वजनिक सूचना की घोषणा की तारीख से पूर्व उन पंजीकृत संबिदाओं
और खोले गए अपरिवर्तनीय साखपत्र से संबंधित हो जिन्हें स्वीकार कर
लिया गया है।

6. फरवरी 1980-81 के लिए निर्यात नीति में संशोधन के संबंध में
उपर्युक्त स्थानों पर निम्नलिखित संशोधन किए जाएंगे:--

क्रम सं०	सन्दर्भ	संशोधन
1	2	3
1.	पृष्ठ 11 वम पृ० 20 कालम 3	वर्तमान शर्तें 2 और 3 को निम्नलिखित द्वारा प्रतिस्थापित किया जाएगा:-- 2. (क) बासमती चावल का निर्यात खुले सामान्य लाइसेंस-3 के अन्तर्गत अनुसार अनुमेय होगा।

1	2	3
	(ख) स्वयं निम्नलिखित अधिकरणों द्वारा उत्पन्न सीमा के भीतर उत्तम और अति उत्तम जातों के निर्यात की स्वीकृति, न्यूनतम 2,750 रुपये प्रति मी० टन के अर्धे त डी जाणसी :-	
	(1) भारतीय खाद्य निगम	
	(2) नेफेद	
	(3) राज्य व्यापार निगम	
	(4) राज्य व्यापार निगम अन्ध्र प्रदेश	
	(5) हरियाणा सहकारिता विपणन महासंघ	
	(6) अजय नागरिक आपूर्ति निगम	
	(7) तमिलनाडु नागरिक आपूर्ति निगम	
3	घटिया जातों -- निर्यात किसी भी मुख्य पतिवस्तु के केवल भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से ही अनुमति होगी।	
	मानि नारायण स्वामी, प्रमुख निर्यातक, आयात-निर्यात	

MINISTRY OF COMMERCE AND CIVIL SUPPLIES

(Department of Commerce)

New Delhi, the 18th June, 1980

EXPORT TRADE CONTROL

Public Notice No. 29-ETC(PN)/80

Subject :—Export policy of Rice for the year 1980-81.

F. No. 40(18)/80.E II.—Attention is invited to Exports (Control) Amendment Order No. E(C) O, 1977/AM(165) dated 18-6-1980 on the above subject.

2. It has been decided that export of Basmati Rice will be allowed under OGL-3, subject to minimum export price Rs. 5,500/- per M. Tonne.

3.(a) Export of fine and superfine varieties of rice (non-Basmati) will be allowed within a ceiling subject to minimum export price of Rs. 2,750/- per M. Tonne by the following agencies themselves :—

- (i) Food Corporation of India
- (ii) NAFED
- (iii) S.T.C.
- (iv) Andhra Pradesh S.T.C.
- (v) Haryana Co-operative marketing Federation
- (vi) Punjab Civil Supplies Corporation
- (vii) Tamilnadu Civil Supplies Corporation.

(b) Export of Rice by the agencies will be subject to the condition that rice to be exported must have been procured from within their State. State Trading Corporation will also have to obtain rice from Food Corporation of India or one of the public agencies mentioned above for exports. Exports will be made against irrevocable letter of credit and in the name of export agencies themselves.

4. Export of coarse Rice will be permitted only through Food Corporation of India without any minimum export price restriction.

5. Pre-change commitments made prior to the date of issue of this Public Notice will be allowed to be honoured provided they are supported by registered contracts and irrevocable letter of credit opened and accepted before the date of announcement of this Public Notice.

6. Consequently, following changes will be made in the Export Policy Book for 1980-81, at the appropriate place as indicated below :—

S. No.	Reference	Amendment
1.	Page 11, S. No. 20 Column No. 3	The existing conditions 2 and 3 shall be substituted by the following :— 2(a) Basmati Rice will be allowed for export as provided under O.G.I.-3. (b) Fine and superfine varieties of rice will be allowed for export by the following agencies within a limited ceiling subject to minimum export price of Rs. 2,750/- per M. Tonnes :— (i) F.C.I. (ii) NAFED (iii) STC (iv) Andhra Pradesh STC (v) Haryana Co-operative marketing Federation (vi) Punjab Civil Supplies Corporation (vii) Tamilnadu Civil Supplies Corporation 3. Coarse rice—Export will be allowed through Food Corporation of India only without any price restriction.

MANI NARAYAN SWAMI,
Chief Controller of Imports & Exports